BA Part II (H)
Paper IV

Dr. Chiranjeev Kumar Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

प्रश्नावली के प्रकार (Types of Questionnaire) :- सभी प्रश्नावलियां की प्रकृति के समान नहीं होती। अध्ययन की प्रकृति तथा उत्तरदाताओं की प्रकृति के अनुसार ही प्रश्नावली का निर्माण किया जाता है। लुण्डबर्ग ने प्रश्नावली के दो प्रकारों का उल्लेख किया है -

(1) तथ्य सम्बन्धी प्रश्नावली - इसका उपयोग किसी समूह की सामाजिक अथवा आर्थिक दशाओं से सम्बन्धित तथ्यों का संग्रह करने के लिए किया जाता है।

(2) मत और मनोवृत्ति सम्बन्धी प्रश्नावली - इसका उपयोग एक विशेष विषय पर उत्तरदाताओं की रुचियां, विचारों अथवा मनोवृत्तियों को जानना होता है।

पी.वी. यंग ने प्रश्नावली के दो प्रकारों का उल्लेख किया है -

(1) संरचित प्रश्नावली - संरचित प्रश्नावली सामाजिक सर्वेक्षण अथवा अनुसंधान में प्रयोग करने वाली प्रश्नावली है जिसकी रचना वास्तविक अध्ययन करने से पूर्व ही तैयार कर ली जाती है और साधारण तथा बाद में इसका संशोधन या परिवर्तन नहीं होता। ऐसी प्रश्नावली का उपयोग एक विस्तृत अध्ययन क्षेत्र में फैले हुए व्यक्तियों से प्राथमिक तथ्यों का संकलन करने तथा संकलित तथ्यों की पुनर्परीक्षा करने के लिए किया जाता है।

(2) असंरचित प्रश्नावली - यंग का मत है "असंरचित प्रश्नावली वह होती है जिसमें कुछ निश्चित विषय क्षेत्रों का समावेश होने के साथ उन लोगों की संख्या भी निर्धारित रहती है जिनसे साक्षात्कार करना है लेकिन इस प्रणाली में प्रश्नों के स्वरूप और उनके क्रम का निर्धारण करने में अध्ययनकर्ताओं को काफी स्वतन्त्रता होती है।"

कुछ अन्य प्रश्नावली

(3) 'बन्द' अथवा प्रतिबन्धित प्रश्नावली - प्रश्नावली का यह प्रकार अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक प्रश्न के सामने अनेक सम्भावित उत्तर दे दिये जाते हैं तथा उत्तरदाताओं को उन्हीं उत्तरों में से किसी एक उत्तर को चुनकर अपने विचार को अभिव्यक्त करना होता है। ऐसी प्रश्नावली का प्रमुख लाभ यह है कि इससे प्राप्त सूचनाओं का सरलता से सारणीयन करके उनका वर्गीकरण किया जा सकता है।

(4) खुली हुई अथवा अप्रतिबन्धित प्रश्नावली - इस प्रकार की प्रश्नावली में प्रश्नों के साथ उनके सम्भावित उत्तर नहीं दिए जाते बल्कि उत्तरदाताओं से यह आशा की जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार कोई भी उत्तर दे। इसमें प्रत्येक प्रश्न के बाद खाली स्थान दिया जाता है ताकि उत्तरदाता अपना उत्तर वहां पर लिख सके।

(5) चित्रमय प्रश्नावली - ऐसी प्रश्नावली में प्रत्येक प्रश्न को बहुत सरल ढंग से प्रस्तुत किया जाता है और उसके सम्भावित उत्तरों के स्थान पर विभिन्न चित्र इस प्रकार प्रदर्शित किए जाते हैं जिससे उत्तरदाता चित्रों के आधार पर अपने उत्तर सरलता से चिन्हित कर सके।

(6) मिश्रित प्रश्नावली - मिश्रित प्रश्नावली वह है जिसमें प्रश्नों की प्रकृति किसी एक स्वरूप तक ही सीमित न होकर अनेक प्रकार के प्रश्नों से सम्बन्धित होती है। ऐसी प्रश्नावली में साधारणतया बन्द और खुले हुए सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश होता है। विषय का व्यापक और गहन अध्ययन करने के लिए मिश्रित प्रश्नावली का उपयोग करके ही विश्वसनीय तथ्य प्राप्त किये जा सकते हैं।